VISION IAS

www.visionias.in

VISION IAS
14 SEP 2022
No. 3
MN
RECEIVED

GENERAL STUDIES (TEST CODE : 1841)

Name of Candidate	Mithlesh Kumari		
Medium Hindi/Eng.	Hindi	Registration Number	660130
Center	MN	Date	14-9-22

INDEX TABLE

Q. No.	Maximum Marks	Marks Obtained
1(a)	10	
1(b)	10	
2(a)	10	
2(b)	10	
3(a)	10	
3(b)	10	
4(a)	10	
4(b)	10	
5(a)	10	
5(b)	10	
6(a)	10	
6(b)	10	
6(c)	10	
7	20	
8	20	
9	20	
10	20	
11	20	
12	20	

Total Marks Obtained:

Remarks:

Signature of Examiner

INSTRUCTIONS

1. Do furnish the appropriate details in the answer sheet (viz. Name, Registration Number and Test Code).
   उत्तर पुस्तिका में सूचनाएं भरना आवश्यक है (नाम, प्रश्न–पत्र कोड, विद्यार्थी क्रमांक आदि)।
2. There are **TWELVE** questions printed in **ENGLISH & HINDI**
   इसमें बारह प्रश्न हैं अंग्रेजी और हिन्दी में छपे हैं।
3. **All questions are compulsory.**
   सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
4. The number of marks carried by a question/part is indicated against it.
   प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिए गए हैं।
5. Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate, which must be stated clearly on the cover of this Question-Cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in medium other that the authorized one.
   प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहिए जिसका उल्लेख आपके प्रवेश पत्र में किया गया है और उस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न–सह–उत्तर (क्यूसीए) पुस्तिका के मुख्य पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिए गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।
6. Word limit in questions, if specified, should be adhered to.
   प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिए।
7. Any page or portion of the page left blank in the Question-Cum-Answer Booklet must be clearly struck off.
   उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिए।

EVALUATION INDICATORS

1. **Contextual Competence**
2. **Content Competence**
3. **Language Competence**
4. **Introduction Competence**
5. **Structure - Presentation Competence**
6. **Conclusion Competence**

Overall Macro Comments / feedback / suggestions on Answer Booklet:

1.

2.

3.

4.

5.

6.

All the Best

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

SECTION – A

1. **(a)** Explain the meaning of self-efficacy, along with its key determinants. Also, discuss the significance of high self-efficacy for a civil servant.

(150 words) 10

आत्म-प्रभावकारिता और इसके प्रमुख निर्धारकों का अर्थ स्पष्ट कीजिए। साथ ही, एक सिविल सेवक के लिए उच्च आत्म-प्रभावकारिता के महत्व पर चर्चा कीजिए।

आत्म प्रभावकारिता से तात्पर्य है स्वंय की भावनाओं तथा योग्यता को समझकर उसे एक अनुकूल दिशा देना जिससे कौशल एवं दक्षता में वृद्धि हो।

आत्म-प्रभावकारिता के प्रमुख निर्धारक तत्व:-

i) किसी निश्चित वातावरण को समझने की शक्ति तथा उसका आकलन करके निर्णय निर्माण करना।

ii) लोगों के साथ संपर्क तथा सामाजिक कौशल के माध्यम से समस्याओं का समाधान।

iii) अनुनयन की क्षमता :- एक अच्छा श्रोता तथा वक्ता होना एवं तर्क-वितर्क के माध्यम से अपनी बात समझाना।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

आत्म-प्रभावकारिता का महत्व :-

i) नीति-निर्माण तथा क्रियान्वयन में।

ii) आपदाकालीन परिस्थितियों के प्रबंधन में।

iii) तनाव प्रबंधन में।

iv) अच्छी कार्य-संस्कृति के निर्माण में।

v) संगठन में संप्रेषणीयता के माध्यम से सकारात्मक वातावरण के निर्माण में।

आत्म-प्रभावकारिता लोक सेवाओं में आवश्यक है ताकि कोई भी लोक सेवक स्वयं की तथा संगठन की क्षमताओं का अधिकतम उपयोग करके सकारात्मक परिणामों का सृजन कर सके।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

1. **(b)** Ethics is knowing the difference between what you have the right to do and what is right to do. Discuss. **(150 words) 10**

आपको क्या करने का अधिकार है और क्या करना सही है, इसके मध्य का अंतर जानना ही नीतिशास्त्र है। चर्चा कीजिए।

नीतिशास्त्र के तहत 'क्या करना चाहिए' तथा 'क्या न करना चाहिए' को समझने वाले मूल्यों का समावेश होता है।

किसी भी लोक सेवक को इसका स्पष्ट ज्ञान होना आवश्यक है कि उसके पास कौनसे कार्य करने के अधिकार हैं। जबकि कौनसा कार्य करना सही है इसके लिए नियम-कानूनों के अतिरिक्त अंतरात्मा तथा विवेक का होना आवश्यक है जो सही दिशानिर्देश दे सकें।

i) लोक सेवकों को कार्य करते समय नियमों तथा कानूनों का पालन करना होता है।

जैसे → शिक्षा के अधिकार अधिनियम, 2009 के तहत 6-14 वर्ष तक के बच्चों को शिक्षा प्रदान करना अनिवार्य है। इसके तहत लोकसेवक को बच्चों के लिए शिक्षा की अनुकूल परिस्थितियों

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

के निर्माण के लिए अधिकार उपलब्ध है।

ii) वही जनजातीय, अनुसूचित जातियों तथा जनजातियों के वृद्धों के लिए चलाई जा रही योजना के तहत केवल वह इन्हीं वर्गों के बुजुर्गों को सहायता प्रदान कर सकता है किन्तु अगर किसी और वर्ग का बुजुर्ग जो इस योजना के सभी मानकों को पूरा करता है सिवाय अनुसूचित जाति या जनजाति वर्ग का नहीं है, तो इस मामले में कोई भी लोक सेवक करुणा तथा सेवा भावना को महत्व देते हुए उस वृद्ध के लिए अलग से प्रावधान कर सकता है जैसे NGOs की सहायता लेना तथा Fund raise करना आदि।

मणिपुर के IAS आर्मस्ट्रांग पाम ने फंड की अनुपलब्धता के बावजूद सेवा भावना का उत्तम उदाहरण देते हुए Fund raise करके 100 KM लम्बी सड़क का निर्माण करवाया।

किसी भी लोक सेवक में नैतिक मूल्यों का होना आवश्यक है ताकि वह कल्याणकारी राज्य के उद्देश्यों को पूरा कर सके।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

2. (a) Dealing with an ethical dilemma not only requires following rules and regulations, but also requires adherence to moral prudence and altruism. Explain in the context of civil services in India, with examples.

(150 words) 10

किसी नैतिक दुविधा से निपटने के लिए न केवल सहायक नियमों और विनियमों की आवश्यकता होती है, बल्कि नैतिक विवेक और परोपकारिता के पालन की भी आवश्यकता होती है। भारत में सिविल सेवाओं के संदर्भ में उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए।

नैतिक दुविधा जब उत्पन्न होती है तब किसी लोक सेवक के समक्ष केवल दो ही विकल्प उपस्थित है तथा ~~एक चुनाव~~ दोनों विकल्पों में से एक को चुनने पर दूसरे की हानि होती है।

नैतिक दुविधा से निपटने के लिए सहायक नियम, विनियम तथा नैतिक विवेक एवं परोपकारिता जैसे तत्व सहायक होते हैं।

i) जहाँ स्पष्ट नियम है रखे है वहाँ इनका पालन करना आवश्यक है

- संविधान
- नियम, विनियम
- कानून
- अंत में → ~~अंत~~ पूर्व-उदाहरण, विवेक इत्यादि

ii) ~~किन्तु~~ जहाँ नियमों में अस्पष्टता है वहाँ विवेक, परोपकारिता आदि का उपयोग करके

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

नैतिक दुविधा का समाधान किया जा सकता है
जैसे:— एक गरीब व्यक्ति NFSA-2013 के तहत खाद्यान्न प्राप्त करना चाहता है किन्तु उसके पास उचित प्रमाणपत्र उपलब्ध नहीं है तो परोपकारिता का परिचय देते हुए उसकी आवश्यक प्रमाणपत्र बनाने में मदद करना।

नैतिक विवेक तथा परोपकारिता का परिचय देते हुए IAS भारती होलीकेरी ने बिना राजकोषीय उत्तरदायित्वों को बढ़ाए आँगनबाड़ी केन्द्रों पर दोपहर का भोजन उपलब्ध कराकर प्रसवपूर्व जाँचों को बढ़ावा दिया ताकि महिलाओं की प्रसवकालीन समस्याओं का समाधान किया जा सके।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

2. **(b)** The Code of Conduct for the civil services in India has merely remained a code; it has not helped promote ethical and moral values in governance. In this context, discuss the need for a National Commission on Integrity and Transparency in Governance. **(150 words) 10**

भारत में सिविल सेवाओं के लिए आचरण संहिता केवल एक संहिता बनकर रह गई है; इसने शासन (गवर्नेंस) में नीतिपरक और नैतिक मूल्यों को बढ़ावा देने में मदद नहीं की है। इस संदर्भ में, शासन में सत्यनिष्ठा और पारदर्शिता पर एक राष्ट्रीय आयोग की आवश्यकता पर चर्चा कीजिए।

भारतीय सिविल सेवकों के व्यवहार को सही दिशा देने तथा कल्याणकारी राज्य की आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु आचरण संहिता का निर्माण किया किन्तु उसका पालन किए जाने के कारण यह केवल एक संहिता ही बनकर रह गई है।

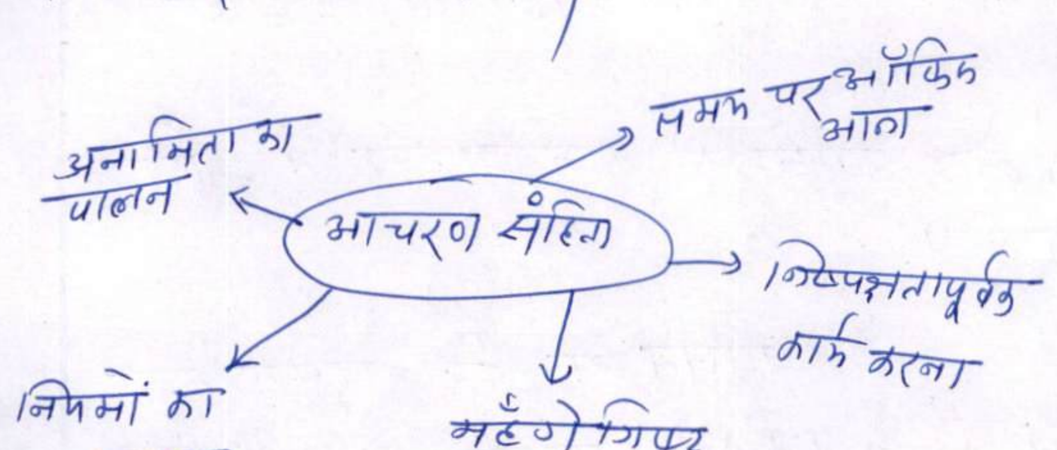

किन्तु लोक सेवकों द्वारा भ्रष्ट आचरण, राजनीतिक गठजोड़ तथा सोशल मीडिया के दुरुपयोग आदि के माध्यम से

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

~~अत्यर~~ अनुचित आचरण को बढ़ावा मिला है जिससे लोक सेवाओं में भ्रष्टाचार, अनैतिकता तथा अदक्षता में वृद्धि हुई है।

लोक सेवाओं की दक्षता तथा उत्तरदायित्व एंव जवाबदेही मे वृद्धि हेतु ~~स्था~~ ~~एक~~ शासन में सत्यनिष्ठा और पारदर्शिता पर एक राष्ट्रीय आयोग की आवश्यकता है।

→ i) लोक सेवकों के आचरण को नियमित किया जा सकेगा।

ii) पारदर्शिता तथा सत्यनिष्ठा में वृद्धि होगी।

iii) लोक सेवाओं की कार्यकुशलता में वृद्धि होगी।

शासन में ई. गवर्नेंस तथा Social Audit के माध्यम से भी सत्यनिष्ठा तथा पारदर्शिता को बढ़ाया जा सकता है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

3. (a) Digital ethics principles are necessary to prevent erosion of public values and deal with the ethical implications of digitizing governance systems. Discuss. **(150 words) 10**

सार्वजनिक मूल्यों के क्षरण को रोकने और शासन प्रणालियों के डिजिटलीकरण के नैतिक निहितार्थों से निपटने के लिए डिजिटल एथिक्स सिद्धांत आवश्यक हैं। चर्चा कीजिए।

शासन प्रणाली में डिजिटलीकरण के माध्यम से पारदर्शिता, जवाबदेही तथा संसाधनों के कुशल प्रयोग की प्रवृत्ति में वृद्धि हुई है किन्तु इसके कुछ समस्याऐं भी उत्पन्न हुई है जिनके समाधान हेतु डिजिटल एथिक्स सिद्धान्त को अपनाना आवश्यक है।

डिजिटल एथिक्स सिद्धान्त की आवश्यकता :-

i) ई-गवर्नेंस के कारण लोगों का ऑनलाइन डाटा तथा निजी सूचनाऐं उपलब्ध होती है।

↳ निजता के अधिकार (अनुच्छेद-21) को बनाए रखने के लिए डाटा संरक्षण को प्राथमिकता देना।

ii) सोशल मीडिया आदि पर लोक सेवकों के व्यवहार को नियंत्रित करने।

↳ अनामिता का सिद्धान्त।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

iii) साइबर फ्रॉड से निपटने हेतु।

iv) इंटरनेट के दुरुपयोग से बढ़ते अपराधीकरण को नियंत्रित करने हेतु।

डिजिटल एथिक्स के निर्धारण से नैतिक मूल्यों में आई गिरावट को नियंत्रित किया जा सकेगा तथा एक स्वस्थ समाज तथा स्वस्थ कार्यप्रणाली का सृजन होगा।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

3. **(b)** Despite differences in terms of organizational values guiding the public and private sectors, there remain certain values that are equally important to both. Discuss. **(150 words) 10**

सार्वजनिक और निजी क्षेत्रों को निर्देशित करने वाले संगठनात्मक मूल्यों के संदर्भ में मतभेदों के बावजूद, कुछ मूल्य ऐसे हैं, जो दोनों के लिए समान रूप से महत्वपूर्ण हैं। चर्चा कीजिए।

सार्वजनिक मूल्य लोगों के कल्याण से प्रेरित होते है जबकि निजी क्षेत्रों को निर्देशित करने वाले मूल्य लाभ के उद्देश्य से प्रेरित होते है, जबकि कुछ मूल्य दोनों क्षेत्रों के लिए आवश्यक होते है, जैसे —

i) सत्यनिष्ठा :- किसी भी व्यक्ति के मूल्यों तथा व्यवहार में आंतरिक सुसंगति होना। निजी तथा सार्वजनिक दोनो क्षेत्रों के कर्मचारियों के लिए यह मूल्य आवश्यक है। ई. श्रीधरन (मेट्रोमैन) जिन्होने अपनी कार्यकुशलता तथा दक्षता के माध्यम से मेट्रो का निर्माण कराया वही सत्य नडेला अपनी सत्यनिष्ठा के बलबूते माइक्रोसॉफ्ट के CEO बने।

ii) पारदर्शिता :- संसाधनों का अनुकूलतम उपयोग करने हेतु।

iii) जवाबदेहिता :- कार्यकुशलता तथा निष्पादन में सुधार। जैसे — डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम तथा ~~रतन~~ रतन टाटा।

iv) सेवा भावना :- मानव को साध्य मानना।
- निजी क्षेत्रक में CSR के माध्यम से वंचित वर्गों का कल्याण।
- सार्वजनिक क्षेत्रक में SC, ST, OBC, महिला, LGBTQ आदि के अधिकारों का संरक्षण।

v) नेतृत्व :- सार्वजनिक तथा निजी दोनों संगठनों को सही दिशा देने हेतु। जैसे → अजीम प्रेमजी, (पिरामल जी) अनशंकर।

इनके अलावा निष्पक्षता, तटस्थता तथा करुणा जैसे मूल्य दोनों क्षेत्रों के लिए आवश्यक ताकि समावेशी विकास के साथ समावेशी कार्यसंस्कृति का निर्माण संभव हो।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

4. **(a)** Bring out the difference between accountability and responsibility. Also, discuss the significance of accountability in ensuring ethical governance in the context of India. **(150 words) 10**

जवाबदेही और उत्तरदायित्व के बीच अंतर स्पष्ट कीजिए। साथ ही, भारत के संदर्भ में नैतिक शासन (एथिकल गवर्नेंस) को सुनिश्चित करने में जवाबदेही के महत्व की विवेचना कीजिए।

जवाबदेही के तहत किसी एक व्यक्ति को किसी कार्य को करने के लिए प्राधिकृत किया जाता है तथा वह व्यक्ति इसका हस्तांतरण नहीं कर सकता है, जबकि उत्तरदायित्व के तहत कोई कार्य किसी टीम को सौंपा जाता है और वह इस कार्य का हस्तांतरण भी कर सकती है।

भारत में नैतिक शासन को सुनिश्चित करने हेतु जवाबदेही का महत्व :-

i) शासन में पारदर्शिता तथा कुशलता लाने हेतु।

ii) संसाधनों के अनुकूलतम उपयोग को बढ़ावा देने हेतु।

iii) सभी वर्गों के कल्याण हेतु।
↳ केरल के कोझिकोड के कलेक्टर

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

ने वहाँ के लोगों के प्रति अपनी जवाबदेही का पालन करने के लिए 'ऑपरेशन सुलेमानी' चलाया जिसके ~~लोगों~~ गरीब लोगों को मुफ्त भोजन दिया जाता है ताकि कोई भूखा न सोये

iv) समावेशी विकास हेतु।

जवाबदेही के माध्यम से शासन में कुशलता ~~के~~ का समावेश होता है और कल्याणकारी राज्य की अवधारणा को प्राप्त करने में सहायक होता है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

4. (b) Though laws and rules can be considered as the principal guide on morality for public administrators, they are not sufficient in themselves. Substantiate with examples. **(150 words) 10**

हालांकि कानूनों और नियमों को लोक प्रशासकों के लिए नैतिक आदर्शों हेतु प्रमुख मार्गदर्शक माना जा सकता है, किंतु ये अपने आप में पर्याप्त नहीं हैं। उदाहरण सहित सिद्ध कीजिए।

कानून और नियम लोक प्रशासकों के कर्तव्यपालन में सहायक होते हैं किन्तु कभी-कभी ऐसी परिस्थितियाँ उत्पन्न होती हैं जहाँ ~~कि~~ निर्णय लेना कठिन होता है वहाँ फिर पूर्व-उदाहरणों, अंतरात्मा, परोपकारिता जैसे सिद्धान्तों का पालन करके समस्या का समाधान किया जाता है।

i) कोई ऐसे विषय का उत्पन्न होना जिसके संबंधित कोई कानून उपलब्ध न हो।

↳ बढ़ते डिजीटलीकरण के कारण अनेक मुद्दों का उत्पन्न होना जबकि भारत में पर्याप्त साइबर कानूनों का अभाव।

ii) आपदा की स्थिति में संसाधन तक पहुँच तथा बचाव कार्यों में।

iii) कानूनों की अपर्याप्तता तथा सभी

वर्गों का समावेश न होना एवं कानूनों की प्रभावशीलता को बढ़ाने हेतु।

जैसे → दांतेवाड़ा के DM सौरभ कुमार ने एक पहल की 'Lunch with collector' जिसके तहत वे जनजातीय बच्चों से वार्तालाप करते थे ~~ताकि उनका~~।

कानून तथा नियमों की अनुपलब्धता में किसी भी लोक सेवक का विवेक तथा उसके नैतिक शब्द उसकी सही निर्णय लेने में मदद करते हैं।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

5. (a) Transparency is vital to cultivate public trust in government and to prevent, detect and deter corruption effectively. Comment.

(150 words) 10

पारदर्शिता, सरकार में जनता के विश्वास को विकसित करने और भ्रष्टाचार को प्रभावी ढंग से रोकने, इसका पता लगाने एवं निवारण करने के लिए महत्वपूर्ण है। टिप्पणी कीजिए।

पारदर्शिता के शासन की कार्यप्रणाली तथा सूचनाओं को लोगों को उपलब्ध कराया जाता है ताकि वे उनके लिए सरकार द्वारा चलाई गई योजनाओं तथा कानूनों एंव फंड की जानकारी ले सकें। [सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005]

पारदर्शिता के शासन में लाभ:-

i) सरकार में जनता का विश्वास विकसित होता है जब उसे सरकारी गतिविधियों की जानकारी होती है।

ii) भ्रष्टाचार पर नियंत्रण स्थापित होता है क्योंकि फंड इत्यादि की सभी सूचनाएँ नागरिकों के पास होती है।

iii) Social Audit, शिकायत निवारण तंत्र आदि के माध्यम जनता भी शासन में सहभागिता निभाती है।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

iv) मेघालय में MegEA, तथा मनरेगा में Social Audit को लाने से भ्रष्टाचार को नियंत्रित किया जा सका है

v) राजस्थान में MKSS ने 2005 में RTI Act लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

vi) पारदर्शिता के माध्यम से शासन के दुरुपयोग को समझकर उनका निवारण करना आसान होता है

पारदर्शिता शासन में लोगों की सहभागिता बढ़ाकर सरकार पर अच्छा कार्य करने का नैतिक दबाव बनाती है जिससे भ्रष्टाचार में कमी तथा जवाबदेहिता में वृद्धि होती है

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

5. (b) 'Just-in-time' release of funds heralds a significant reform for the Indian government's payment architecture. Discuss. (150 words) 10

'सही समय पर' फंड जारी करना भारत सरकार की भुगतान संरचना के लिए एक महत्वपूर्ण सुधार की शुरुआत है। चर्चा कीजिए।

'सही समय पर' फंड जारी करने से शासन की कार्यकुशलता में वृद्धि के साथ उचित परिणाम प्राप्त होते है।

i) सही समय पर फंड जारी करने से समय पर भुगतान करना संभव होता है।

ii) परियोजनाओं की समय पर समाप्ति तथा गुणवत्ता में सुधार होता है।

iii) ब्याज भुगतान मे कमी आती है तथा देनदाऐं नियंत्रित होती है।

iv) जनता का सरकार पर भरोसा बढ़ता है।

v) सड़क मंत्रालय द्वारा समय पर सड़क परियोजनाओं की समाप्ति ने Ease of doing business को आसान किया है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

vi) समय पर परियोजनाओं की समाप्ति से ठेकेदारों के नुकसान में कमी होती है तथा सरकारी परियोजनाओं की गुणवत्ता में सुधार होता है।

सरकार की भुगतान संरचना में सुधार हेतु समय पर फंड जारी करने के साथ पारदर्शिता लाने से धन का अनुकूलतम उपयोग सुनिश्चित होगा।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

6. What do each of the following quotations mean to you?
निम्नलिखित में से प्रत्येक उद्धरण का आपके विचार से क्या अभिप्राय है?

(a) "The happiness of your life depends upon the quality of your thoughts."- Marcus Aurelius **(150 words) 10**

"आपके जीवन की खुशी आपके विचारों की गुणवत्ता पर निर्भर करती है।" - मार्कस ऑरेलियस

किसी भी व्यक्ति के जीवन की खुशी को उस व्यक्ति के विचारों की गुणवत्ता निर्धारित करती है।

उस व्यक्ति के विचार अगर निम्न कोटि के हैं तो वह निम्न कार्यों में अपनी खुशी ढूँढेगा जैसे, भोजन, सेक्स हल्ला करना, किसी को पीड़ा पहुँचाना आदि (हिटलर, आतंकवादी, अपराधी आदि)

जबकि व्यक्ति के विचार उच्चकोटि हैं तो वह उच्चकोटि के सुखों की कामना करेगा जैसे परमार्थ, करुणा, सेवा भावना आदि। स्वामी विवेकानंद ने दरिद्रनारायण की सेवा पर बल दिया क्योंकि उनके विचार उच्चकोटि के थे तथा वे मानवमात्र की सेवा को अपना उद्देश्य समझते थे।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

मार्टिन सेलिगमैन के अनुसार व्यक्ति की मानसिक स्थिति ही व्यक्ति के विचारों का निर्धारण करती है और वह अपने विचारों के अनुसार ही खुशी महसूस करता है।

अगर व्यक्ति के इच्छा, क्रिया तथा ज्ञान मे संतुलन है तो व्यक्ति सर्वकल्याण पर ध्यान देता है तथा उसके सुखों का स्तर उच्च होकर आनंद तक पहुँचता है।

"ज्ञान दूर कुछ क्रिया भिन्न है,
इच्छा क्यों पूरी हो मन की।
एक-दूसरे से न मिल सके
यही विडंबना है जीवन की।।"

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

6. (b) "The forces in a capitalist society, if left unchecked, tend to make the rich richer and the poor poorer." — Jawaharlal Nehru **(150 words) 10**
"एक पूंजीवादी समाज की शक्तियों को अगर अनियंत्रित छोड़ दिया जाए तो वे अमीर को और अमीर तथा गरीब को और गरीब बना देंगी।" - जवाहरलाल नेहरू

पूँजीवाद समाज में अगर शक्तियों पर नियंत्रण नही होगा तो संसाधन संपन्न व्यक्ति अपने हितों की पूर्ति से प्रेरित होकर कार्य करेंगे जिसमें उन्हें लाभ होगा तथा समाज के निम्न वर्ग को हानि होगी और Have's एवं Have not का सृजन होगा।

जवाहरलाल नेहरू जीने पूँजीवाद तथा समाजवाद दोनों को महत्व देते हुए भारत में मिश्रित अर्थव्यवस्था के निर्माण पर दिया ताकि संतुलन स्थापित किया जा सके।

पूँजीवाद समाज लाभ के उद्देश्य से प्रेरित होता है जिसके कारण अमीर वर्ग अपने संसाधनों का प्रयोग करके सभी सुविधाऐं उपलब्ध कर सकता है

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

किन्तु गरीब वर्ग इनसे वंचित रहता है और वह विकास की दौड़ में सबसे पीछे रहता है

हाल में ऑक्सफैम द्वारा जारी आँकड़ो से बढ़ती असमानता की प्रवृत्ति दिखती है भारत के शीर्ष 10% अमीरों के पास 77% संपदा है जबकि निम्न 50% व्यक्तियों के पास केवल 6% संपदा है कोरोना जैसी आपदाओं ने ~~इसमें व~~ इस अंतराल में वृद्धि की है

पूँजीवाद समाज निम्न वर्गों के कल्याण पर ध्यान नही देता है वहाँ राज्य केवल पर्यवेक्षक के रूप में होता है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

6. (c) "Honesty is the first chapter in the book of wisdom". – Thomas Jefferson **(150 words) 10**

"ज्ञान की पुस्तक का पहला अध्याय ईमानदारी है।" - थॉमस जेफरसन

थॉमस जेफरसन के अनुसार ईमानदारी ज्ञान की पुस्तक का पहला अध्याय है।

अगर व्यक्ति ईमानदार होगा तो ही वह ज्ञान प्राप्ति हेतु अपनी संपूर्ण ताकत लगायेगा तथा किसी भी चीज से समझौता नही करते हुए अपना पूरा योगदान कल्याण मे देगा।

ईमानदारी के साथ प्रयास करने से ही व्यक्ति अपने लक्ष्य को प्राप्त करने में सफल हो सकता है अन्यथा वह अपनी क्षमताओं का संपूर्ण उपयोग नही कर पायेगा।

थॉमस अल्वा एडीसन अपनी ईमानदारी के साथ निरंतर प्रयासरत ~~कर~~ रहे तथा 10000 असफल प्रयासों

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

के पश्चात अंत में उन्हें अपनी मेहनत का फल मिला और अंत में बल्ब बनाने में सफल रहे।

महात्मा गाँधी ने स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान सत्य एवं अहिंसा का ईमानदारी पूर्वक पालन किया तथा अंत में सफलता हासिल की तथा देश को आजादी मिली।

ईमानदारी व्यक्ति के गुणवर्द्धन में सहायक होती है जिससे वह अन्य नैतिक गुणों का भी पालन करता है।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

SECTION – B

In the following questions, carefully study the cases presented and then answer the questions that follow (in around 250 words):

निम्नलिखित प्रश्नों में, प्रस्तुत प्रकरणों का ध्यानपूर्वक अध्ययन कीजिए और उसके बाद आने वाले प्रश्नों के उत्तर दीजिए (लगभग 250 शब्दों में):

7. You are posted as a District Magistrate in a district, which is witnessing a high caseload of COVID-19 pandemic patients. The physical infrastructure and human resources in the district are stretched much beyond their capacity. At the peak of the pandemic, certain reports emerge that the District Medical Officer has been misusing his position to abuse female employees in his department and coercing them to have sexual relations with him. However, the concerned officer not only has an impeccable academic record but also a profound professional track record. You also need his presence and guidance to deal with the pandemic situation in the district. But, there is pressure from the media and civil society organisations to immediately report the matter to the State authorities for action against the concerned officer.

Given the situation, answer the following:

(a) Identify the stakeholders and issues involved in the above case.

(b) What are the options available to you? Discuss their pros and cons.

(c) What will be your final course of action? Justify with reasons. **(20)**

आप एक ऐसे जिले में जिला मजिस्ट्रेट के रूप में तैनात हैं, जहां कोविड-19 महामारी के रोगियों की संख्या काफी अधिक है। जिले में भौतिक आधारभूत संरचना और मानव संसाधन का उनकी क्षमता से बहुत अधिक दोहन हो रहा है। महामारी के चरम पर, कुछ रिपोर्ट्स सामने आती हैं कि जिला चिकित्सा अधिकारी अपने पद का दुरुपयोग कर अपने विभाग में महिला कर्मचारियों के साथ दुर्व्यवहार कर रहा है एवं उन्हें उसके साथ यौन संबंध बनाने के लिए मजबूर कर रहा है। हालांकि, संबंधित अधिकारी का न केवल त्रुटिहीन अकादमिक रिकॉर्ड है, बल्कि उसका पेशेवर ट्रैक रिकॉर्ड भी बहुत अच्छा है। जिले में महामारी की स्थिति से निपटने के लिए आपको उनकी उपस्थिति और मार्गदर्शन की आवश्यकता है। लेकिन, मीडिया और नागरिक समाज संगठनों की ओर से संबंधित अधिकारी के खिलाफ कार्रवाई के लिए राज्य के अधिकारियों को तुरंत मामले की सूचना देने का दबाव है।

ऊपर दी गयी स्थिति को देखते हुए, निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

(a) उपर्युक्त प्रकरण में शामिल हितधारकों और मुद्दों की पहचान कीजिए।

(b) आपके समक्ष कौन-से विकल्प उपलब्ध हैं? उनके गुणों और दोषों की विवेचना कीजिए।

(c) आपकी अंतिम कार्रवाई क्या होगी? कारण सहित औचित्य सिद्ध कीजिए।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

कोविड-19 के दौरान विभिन्न राज्यों में संसाधनों की किल्लत के कारण महिलाओं के शोषण के मामले नज़र आते थे।

(9) हितधारक एवं मुद्दे।

i) महिला कर्मचारी :- दुर्व्यवहार तथा शोषण के कारण उनकी जॉब सुरक्षा तथा सम्मान को खतरा।

ii) जिला चिकित्सा अधिकारी :- महिलाओं के खिलाफ अपराध का दोषी।

iii) मीडिया तथा नागरिक समाज :- समाज में व्याप्त अपराधों का विरोध।

iv) सरकार व्यवस्था में :- जिले में कोविड-19 की स्थिति पर नियंत्रण।

v) जिले की जनता :- स्वास्थ्य तथा न्याय

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(B) उपर्युक्त परिस्थिति में उपलब्ध विकल्प।

(1) इस मामले को दबाना तथा जिला चिकित्सा अधिकारी को पद पर बनाएँ रखना ताकि कोविड की स्थिति को नियंत्रित किया जा सके।

गुण

i) कोविड की स्थितियों पर नियंत्रण पाना आसान होगा।

दोष

i) महिलाओं के खिलाफ दुर्व्यवहारों में वृद्धि।

ii) मीडिया तथा सिविल सोसायटी के विरोध प्रदर्शनों में वृद्धि से Covid-19 की स्थिति और खराब हो सकती है।

(2) तुरंत कार्यवाई करते हुए मामलों को उच्च अधिकारियों के संज्ञान में लाना तथा जिला चिकित्सा अधिकारी के खिलाफ कार्यवाही करवाना।

गुण

→ महिलाओं को न्याय प्राप्त होगा।
→ Covid-19 के दौरान होनेवाली ऐसी घटनाओं पर नियंत्रण।

दोष → Covid-19 की स्थिति को संभालना मुश्किल होगा तथा केसों में वृद्धि हो सकती है।

(3) उचित बातचीत करते हुए मामले में शामिल अपराधी पर लगे अपराधों की जाँच करवाना तथा उच्च अधिकारियों के संज्ञान में मामले को लाना तथा उसकी जगह दूसरे योग्य चिकित्सा अधिकारी को नियुक्त करवाना।

गुण
- → महिलाओं के खिलाफ अपराधों पर नियंत्रण।
- → दोषियों को सजा।

दोष
- → Covid-19 की स्थिति को संभालने में समस्या उत्पन्न हो सकती है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(c) उपर्युक्त मामलो को लें भाजने के लिए ~~क~~ सत्यनिष्ठा, निष्पक्षता, पारदर्शिता तथा नेतृत्व जैसे मूल्यों का होना आवश्यक है।

i) अंतिम कार्रवाई के रूप सर्वप्रथम मैं मामलो की उचित जाँच के आदेश दूँगी।

ii) उच्च अधिकारियों के संज्ञान में मामला को लेकर जाऊँगी।

iii) महिला कर्मचारियों की सुरक्षा को सुनिश्चित करना आवश्यक है इसलिए चिकित्सा अपराधी पर लगे दोषों की जाँच तथा उसे सजा दिलाने प्रयास करूँगी।

iv) जिले में covid-19 के उत्पन्न परिस्थितियों को नियंत्रित करने का प्रयास करूँगी तथा नए चिकित्सा अधिकारी के तालमेल बनाऊंगी ताकि समस्या को नियंत्रित किया जा सके।

इसलिए विकल्प (3) को अपनाते हुए कार्रवाई की जाएगी।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

8. You are posted as the Superintendent of Police (SP) of a district, which has witnessed several lynching related crimes in the recent past. One day, a police station in the district got an SOS that in a particular village under their jurisdiction, two women have been accused of witchcraft and are now being paraded naked by the villagers. Given the past record of crimes in the village, it was likely that they would be killed by the villagers. When a police team from the station reached the spot and tried to save the two women from the mob, a scuffle broke out. In the ensuing scuffle, the police were brutally attacked and they had to retaliate by lathicharging in order to save themselves. The incident left three villagers dead. There is anger amongst the villagers, who are also a critical vote bank of the ruling party in the state. As the SP, you have been instructed to institute a quick enquiry and take the strictest action against the police team who lathicharged. You are aware that with elections around the corner, you need to diffuse the situation quickly.

Given the situation, answer the following :

(a) Identify the stakeholders and the issues involved in the above case.

(b) What are the options available to you? Which of these will you choose and why?

(c) As an objective and scientfic-tempered administrator, what steps will you suggest in the long-run to deal with mob lynching? **(20)**

आप उस जिले के एक पुलिस अधीक्षक (SP) के रूप में तैनात हैं, जहां हाल के दिनों में लिंचिंग से संबंधित कई अपराध हुए हैं। एक दिन, जिले के एक पुलिस स्टेशन को एक SOS मिला कि उनके क्षेत्राधिकार के एक विशेष गांव में दो महिलाओं पर जादू टोना करने का आरोप लगाया गया है और ग्रामीणों द्वारा उन्हें नग्न अवस्था में घुमाया जा रहा है। गांव में अपराधों के पिछले रिकॉर्ड को देखते हुए, यह संभावना थी कि उन्हें ग्रामीणों द्वारा मार दिया जाएगा। थाने से पुलिस की टीम जब मौके पर पहुंची और दोनों महिलाओं को भीड़ से बचाने का प्रयास किया तो हाथापाई हो गई। आगामी हाथापाई में, पुलिस पर बेरहमी से हमला किया गया और उन्हें स्वयं को बचाने के लिए लाठीचार्ज करके जवाबी कार्रवाई करनी पड़ी। इस घटना में तीन ग्रामीणों की मौत हो गई। ग्रामीणों में इस बात को लेकर गुस्सा है, जो राज्य में सत्ताधारी पार्टी का एक महत्वपूर्ण वोट बैंक भी हैं। एक SP के रूप में, आपको त्वरित जांच करने और लाठीचार्ज करने वाली पुलिस टीम के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया है। आप जानते हैं कि चुनाव नजदीक हैं, आपको स्थिति को जल्द से जल्द शांत करने की आवश्यकता है।

ऊपर दी गयी स्थिति को देखते हुए, निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

(a) उपर्युक्त प्रकरण में शामिल हितधारकों और मुद्दों की पहचान कीजिए।

(b) आपके समक्ष कौन-से विकल्प उपलब्ध हैं? आप इनमें से किसे चुनेंगे और क्यों?

(c) एक वस्तुनिष्ठ और वैज्ञानिक स्वभाव वाले प्रशासक के रूप में, मॉब लिंचिंग से निपटने के लिए दीर्घावधि में आप क्या कदम सुझाएंगे?

मध्य प्रदेश तथा छत्तीसगढ़ के पिछड़े जिलों में महिलाओं को डायन बताकर हत्या की घटनाएँ तथा महिलाओं के शोषण आदि से संबंधित मामले खबरों में आते रहते हैं।

(a)

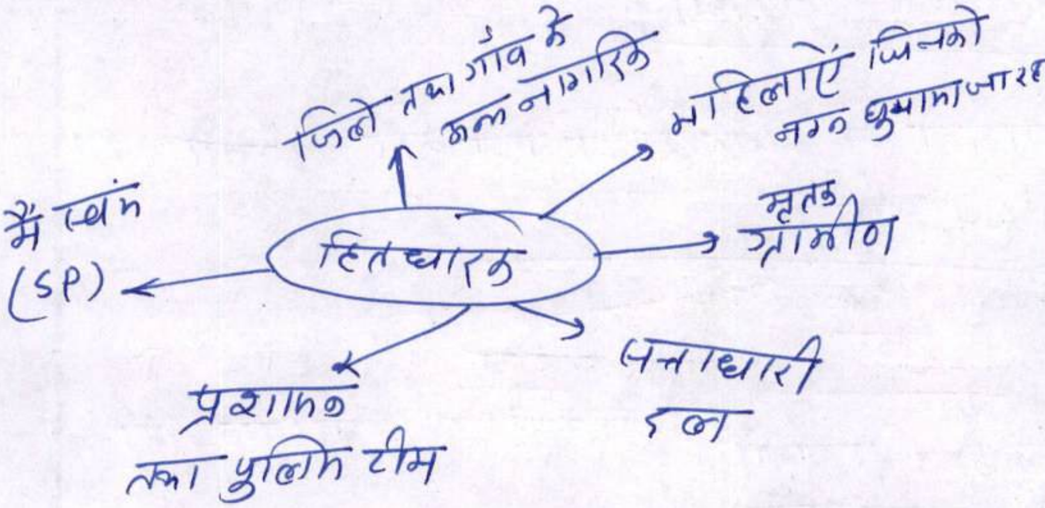

मुद्दे

i) अंधविश्वास का मुद्दा
→ जादू-टोना आदि

ii) पितृसत्तात्मक मानसिकता तथा महिलाओं का शोषण।

iii) महिलाओं को बचाने गई टीम द्वारा बीच-बचाव तथा हाथापाई में तीन ग्रामीणों की मौत।

iv) सत्ताधारी दल का वोटबैंक का मुद्दा।

v) समाज में समानता तथा स्वतंत्रता स्थापित करवाने का मुद्दा (अनुच्छेद 14-18, 19-22)

(b) उपलब्ध विकल्प

(1) मामले में चुप रहेंगे तथा कोई कार्यवाही नहीं की जाएगी।

गुण:
- स्वयं को परिस्थितियों से अलग करना।

दोष:
- समस्या का समाधान नहीं होगा।

(2) सत्ताधारी पार्टी का आदेश मानना तथा लाठीचार्ज करने वाली टीम के खिलाफ कार्यवाही करके मामले को शांत करना।

गुण:
- मामले को शांत किया जा सकेगा
- सत्ताधारी पार्टी का कोप सहन नहीं करना पड़ेगा तथा भविष्य में अच्छा पद मिल सकेगा।

दोष:
- महिला पीड़ितों को न्याय नहीं मिल पाएगा।
- निर्दोष पुलिस अधिकारियों को सजा।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

③ उपर्युक्त मामले की जाँच करना तथा महिलाओं के खिलाफ अपराध करने वाले अपराधियों को सजा दिलवाना तथा NGOs एवं SHGs की सहायता से जिले में जागरूकता प्रचार कार्य करवाना।

गुण

i) महिलाओं को न्याय
ii) समाज में जागरूकता

दोष

i) सत्ताधारी दल के खिलाफ जाने से ट्रांसफर तथा खराब जगह पोस्टिंग का खतरा।

उपर्युक्त मामले में मैं तीसरे विकल्प को चुनूँगी ताकि दोषियों के खिलाफ कार्रवाई हो सके तथा महिलाओं को न्याय मिल सके। आत्मरक्षा पुलिस अधिकारियों द्वारा कार्यवाही करने का अधिकार है अगर इस मामले की जाँच करना तथा निर्दोषों को बरी करवाना

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(c) मॉब लिंचिंग से निपटने के लिए विभिन्न उपाय :-

i) समाज में जागरूकता का प्रचार।

ii) मॉब लिंचिंग के खिलाफ सख्त कानून ~~बनवाने के~~ बनाना।

iii) Fake News आदि पर रोक लगाना तथा सत्यता जाँच करने हेतु केन्द्रों का निर्माण।

iv) शिक्षा पर बल देना तथा लोगों में वैज्ञानिक प्रवृत्ति का विकास करना।

v) महिलाओं के अधिकारों की सुरक्षा क्योंकि संपत्ति आदि मे अधिकार देने से बचने के कारण उन्हे डायन आदि बताकर हत्या कर दी जाती है।

समाज में व्याप्त कुप्रथाओं को समाप्त करने हेतु जनजागरूकता आंदोलन चलाए जाने की आवश्यकता है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

9. You are an Airworthiness Officer posted with the Directorate General of Civil Aviation, tasked to conduct the safety audit of a major airline of the country. During the recent audit, you find that some of the airplanes belonging to the airline do not fully meet a few of the International Civil Aviation Organization (ICAO) safety standards. The issues are minor, mainly pertaining to some incomplete aircraft maintenance logs and safety rules related to training of the crew. The airline belongs to a very influential business conglomerate with close ties to all major national political parties and has a long history of ethical business practises. The point person appointed by the airline to communicate with you has assured that everything will be in order in a couple of months. Your senior in the department has also indicated that it is best not to mention such minor issues in the report, particularly given the image of the business group involved and the trust it enjoys. He also reiterates the assurance given by the airline to address these issues at the earliest in a time-bound manner. However, you are aware that airline safety norms are paramount and every other consideration is secondary to the safety of the crew and passengers. As a public servant appointed to uphold public trust, answer the following:

(a) Bring out the dilemmas that you face, elaborating on the competing values in the given situation.

(b) What are the options available to you? Discuss the merits and demerits of each. Which of these will you choose and why? **(20)**

आप नागरिक उड्डयन महानिदेशालय में तैनात एक वायुयान अधिकारी हैं, जिसे देश की एक प्रमुख एयरलाइन की सुरक्षा ऑडिट करने का काम सौंपा गया है। हाल के ऑडिट के दौरान, आप पाते हैं कि उस एयरलाइन से संबंधित कुछ हवाई जहाज अंतर्राष्ट्रीय नागरिक उड्डयन संगठन (ICAO) के कुछ सुरक्षा मानकों को पूरी तरह से पूर्ण नहीं करते हैं। ये मुद्दे बहुत मामूली हैं, जो मुख्य रूप से कुछ अधूरे विमान रखरखाव लॉग और चालक दल के प्रशिक्षण से संबंधित सुरक्षा नियमों से संबंधित हैं। एयरलाइन का सभी प्रमुख राष्ट्रीय राजनीतिक दलों से घनिष्ठ संबंध है और साथ ही यह एक बहुत ही प्रभावशाली व्यापारिक समूह से संबंधित है एवं इसका नैतिक व्यापार व्यवसाय का एक लंबा इतिहास है। आपके साथ बात-चीत करने के लिए एयरलाइन द्वारा नियुक्त व्यक्ति ने आश्वासन दिया है कि कुछ महीनों में सब व्यवस्थित हो जाएगा। विशेष रूप से इसमें शामिल व्यावसायिक समूह की छवि और इसे प्राप्त विश्वास को देखते हुए विभाग में आपके वरिष्ठ ने भी संकेत दिया है कि रिपोर्ट में ऐसे छोटे-छोटे मुद्दों का उल्लेख न करना ही बेहतर है। उन्होंने एयरलाइन द्वारा इन मुद्दों को जल्द से जल्द समयबद्ध तरीके से संबोधित करने के लिए दिए गए आश्वासन को भी दोहराया। हालांकि, आप जानते हैं कि एयरलाइन सुरक्षा मानदंड सर्वोपरि हैं और चालक दल एवं यात्रियों की सुरक्षा के लिए कोई भी अन्य विचार गौण हैं। जनता के विश्वास को बनाए रखने के लिए नियुक्त एक लोक सेवक के रूप में, निम्नलिखित के उत्तर दीजिए:

(a) दी गई स्थिति में प्रतिस्पर्धी मूल्यों का सविस्तार वर्णन करते हुए, आपके सामने आने वाली दुविधाओं पर प्रकाश डालिए।

(b) आपके समक्ष कौन-से विकल्प उपलब्ध हैं? प्रत्येक के गुणों और दोषों की विवेचना कीजिए। आप इनमें से किसे चुनेंगे और क्यों?

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

उपर्युक्त केस स्टडी में एयरलाइन
द्वारा कुछ सुरक्षा मानकों को पूरा नहीं किया
गया है जो चालक दल एवं यात्रियों की
सुरक्षा को खतरे में डाल सकते है इसलिए
इन मुद्दों ~~को~~ का समाधान किया जाना
आवश्यक है।

(9) विभिन्न प्रतिस्पर्धी रुचक तथा दुविधाएँ
उपस्थित है।

1) कंपनी हित बनाम सामाजिक हित

कंपनी की साफ छवि खराब
होसकती है अगर मुद्दा बाहर आता है तो
अगर मुद्दे को दबाया जाता है तो ये
स्वामियों यात्रियों और चालक दल के लिए
खतरनाक साबित हो सकती है।

ii) सत्यनिष्ठा बनाम कंपनी हित

कंपनी ~~छवि~~ का मुद्दा तथा एक
वायुयान अधिकारी होने के नाते मैं अपनी

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

जवाबदेही से समझौता नहीं कर सकता।

iii) निष्पक्षता बनाम तटस्थता

निष्पक्ष रहकर ऑडिट करूं या कंपनी के मामले में तटस्थ रहकर उन्हें अपनी गलती सुधारने का मौका दूँ।

iv) ~~कर्तव्य~~ बनाम लाभप्रदता

कर्त्तव्यों का पालन करता हूँ कंपनी के प्रभाव तथा उसकी पहुँच के कारण मुझे अपना ~~पद~~ पद खोना पड़ सकता है किन्तु सामाजिक सुरक्षा के साथ समझौता नहीं होगा और सामाजिक सुरक्षा से समझौता करूँ तथा कंपनी का साथ दूँ तो मुझे लाभ भी प्राप्त हो सकता है।

(b) उपलब्ध विकल्प

i) उपर्युक्त मामले में कोई संज्ञान नहीं लेना तथा कंपनी को अपनी गलती सुधारने का मौका देना।

लाभ ⟷ हानि

कंपनी की छवि साफ रहेगी। — सामाजिक सुरक्षा से समझौता

(ii) एयरलाइन में पाई खामियों का उल्लेख करना तथा मीडिया में प्रचारित करना ताकि एयरलाइन्स द्वारा दबाव न बनाया जा सके अपने संबंधों का लाभ उठाकर।

लाभ	हानि
i) सामाजिक सुरक्षा से कोई समझौता नहीं	i) कंपनी की छवि खराब होगी
ii) कर्तव्य का पालन	ii) कंपनी द्वारा अप्रत्यक्ष रूप से दबाव बनाकर पद से हटवाया जा सकता है

(iii) कंपनी के एयरलाइन्स डिपार्टमेंट हेड से बात करना तथा उसे समझाना कि उपर्युक्त खामियों का उल्लेख करना आवश्यक है तथा इसके कंपनी की छवि खराब नहीं होगी। बल्कि कंपनी समय रहते अगर इन खामियों को ठीक कर लेती है तो उसकी प्रतिष्ठा में ही वृद्धि होगी की वह

लोगों की सुरक्षा को महत्व देती है

इससे कंपनी की विरोधी कंपनियाँ खामियों का प्रचार करके कंपनी की छवि को नुकसान पहुँचाने का प्रयास कर सकती है।

लाभ
- नागरिकों की प्रीति होगी
- लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित होगी

उपर्युक्त प्रकरण में मैं तीसरे विकल्प को चुनूँगी ताकि लोगों की सुरक्षा के साथ कोई खिलवाड़ न हो तथा मैं अपने कर्तव्यों का पालन भी कर सकूँ।

10. With the advent of 24x7 news and prevalence of an array of news sources across the board, the media is omnipresent in nature. In this competitive environment, many media professionals who are overcome by deadlines, bottom-line imperatives, and corporate interests are losing sight of the ethical implications of their work. Further, there have been several cases of irresponsible reporting where the reportage has interfered with court proceedings, compromised delicate security situations or led to the spread of fake or unverified news. In this context, answer the following questions:

(a) Identify the ethical issues prevalent in the profession of media.

(b) How does unethical reporting and sensationalization of news impact the society?

(c) What can be done to strengthen the role of ethics in media? **(20)**

24x7 समाचारों की शुरुआत और संपूर्ण बोर्ड पर समाचार स्रोतों की एक श्रृंखला के प्रसार से, मीडिया प्रकृति में सर्वव्यापी है। इस प्रतिस्पर्धी माहौल में, कई मीडिया पेशेवर जो समय-सीमा, आधारभूत अनिवार्यताओं और कॉर्पोरेट हितों को पीछे छोड़ चुके हैं, वे अपने काम के नैतिक निहितार्थों की दृष्टि खो रहे हैं। इसके अलावा, गैर-जिम्मेदार रिपोर्टिंग के कई मामले भी सामने आए हैं जहां रिपोर्ट ने अदालती कार्यवाही में हस्तक्षेप किया है, संवेदनशील सुरक्षा स्थितियों से समझौता किया है या गलत अथवा असत्यापित समाचारों को फैलाया है। इस संदर्भ में, निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

(a) मीडिया के पेशे में विद्यमान नैतिक मुद्दों की पहचान कीजिए।

(b) अनैतिक रिपोर्टिंग और समाचारों को सनसनीखेज बनाने से समाज पर क्या प्रभाव पड़ता है?

(c) मीडिया में नैतिकता की भूमिका को सुदृढ़ करने के लिए क्या किया जा सकता है?

हाल में मीडिया द्वारा TRP को महत्व देते हुए खबरों की सत्यता जाँच किये हुए बिना ही खबरो को दिखाना तथा ब्रेकिंग न्यूज के चक्कर में समाज की भावनाओं से खेलना जैसे कार्य किए जा रहे है

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

(क) मीडिया के पेशे में विद्यमान नैतिक मुद्दे:-

i) मीडिया लोकतंत्र का चौथा स्तंभ माना जाता है।

ii) इसलिए लोगों तक सही सूचना पहुँचाना मीडिया का दायित्व है।

iii) समाज में जागरूकता लाना मीडिया का कार्य है

किन्तु वर्तमान में मीडिया अपने कर्तव्यों से विमुख दिखाई दे रहा है तथा लाभप्रदता को महत्व दे रहा।

(क) मीडिया ट्रायल :- अपराधी का अपराध सिद्ध होने के पहले ही उसे अपराधी ठहराना।

(ख) पीत पत्रकारिता :- प्रसिद्ध लोगों की निजी जिंदगी में ताक-झांक।

↳ प्रिंस डायना का मामला

(ग) राजनीतिक दलों के साथ गठजोड़ तथा फेक न्यूज एवं पेड-न्यूज को बढ़ावा।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

(घ) TRP के चक्कर में Breaking News दिखाना तथा समाज में वैमनस्य की भावना फैलाना।

(ङ) मुंबई हमले के दौरान लाइव प्रसारण के चक्कर में मामले की सारी जानकारी आतंकवादी संगठनों को TV से मिल रही थी और वे अपने लड़ाकों को वहीं निर्देशित कर रहे थे।

(b) समाज पर प्रभाव

i) समाज में फेक न्यूज का प्रसार होने से सांप्रदायिकता तथा दंगे फैलाना।

ii) सामाजिक सहिष्णुता का कम होना।

iii) लोगों को सुरक्षा के प्रति संवेदनशील बनाना।

iv) अपराधिक तत्वों का महिमामंडन तथा युवाओं को अपराधों की ओर आकर्षित करना।

v) लोगों की सुरक्षा के साथ खिलवाड़

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

vi) पीड़ितों की पहचान उजागर करने से समाज में उनका पुनर्वास मुश्किल हो जाता है।

vii) निजता का हनन (अनुच्छेद-21 का उल्लंघन)

(c) नैतिकता की भूमिका को सुदृढ़ करना:-

i) मीडिया को नियंत्रित करने के लिए नियम तथा विनियम लाना।

ii) मीडिया द्वारा किए जा रहे अपराधों के खिलाफ सख्त कार्यवाही।

iii) लोगों में जागरूकता का प्रसार।

iv) संगठन की कार्यसंस्कृति को स्वच्छ बनाना।

v) मीडिया को लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के रूप में कार्य करने के लिए प्रोत्साहन।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

मीडिया को स्वास्थ्य भूमिका निभाने के लिए प्रेरित करना आवश्यक है ताकि समाज एवं देश के हितों का संरक्षण किया जा सके।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

11. You are the Dean of Academics of a University. It has been brought to your notice that some students have raised a complaint against Mr X, a specially-abled Professor at the University, for not performing his academic duties diligently. The Head of the Department (HoD) tried to have a conversation with him regarding these complaints; however, Mr X feels that he is a victim of internal politics and is being discriminated against on account of him being specially-abled. He also conveyed to the HoD that he will file a complaint of discrimination against the University under The Rights of Persons with Disabilities Act, 2016. As the Dean of Academics, it is your responsibility to uphold the academic standards of the University and take any administrative decision in this regard.

In this case, answer the following questions:

(a) State the stakeholders and the ethical issues in the given case.

(b) What are the options available to you?

(c) Evaluate each of these options and state the option which you would choose, citing reasons. **(20)**

आप एक विश्वविद्यालय के अकादमिक डीन हैं। यह आपके संज्ञान में लाया गया है कि कुछ छात्रों ने विश्वविद्यालय के एक दिव्यांग प्रोफेसर मिस्टर X के विरुद्ध अपने शैक्षणिक कर्तव्यों का ईमानदारी से निर्वहन नहीं करने के लिए शिकायत की है। विभागाध्यक्ष (HoD) ने इन शिकायतों के संबंध में उनसे बात करने का प्रयास किया है; हालांकि, मिस्टर X को लगता है कि वह विश्वविद्यालय की आंतरिक राजनीति के शिकार हैं और उनके दिव्यांग होने के कारण उनके साथ भेदभाव किया जा रहा है। उन्होंने विभागाध्यक्ष को यह बताया भी है कि वह *दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम, 2016* के तहत विश्वविद्यालय के भेदभाव के विरुद्ध शिकायत दर्ज कराएंगे। अकादमिक डीन के रूप में आपकी यह जिम्मेदारी है कि आप विश्वविद्यालय के शैक्षणिक मानकों को बनाए रखें और इस संदर्भ में आवश्यक प्रशासनिक कार्रवाई करें।

इस प्रकरण के संदर्भ में, निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

(a) प्रस्तुत प्रकरण में शामिल हितधारकों और नैतिक मुद्दों का उल्लेख कीजिए।

(b) आपके समक्ष कौन-से विकल्प उपलब्ध हैं?

(c) उनमें से प्रत्येक विकल्प का मूल्यांकन कीजिए और कारण बताते हुए उस विकल्प को बताइए जिसे आप चुनेंगे।

(9)

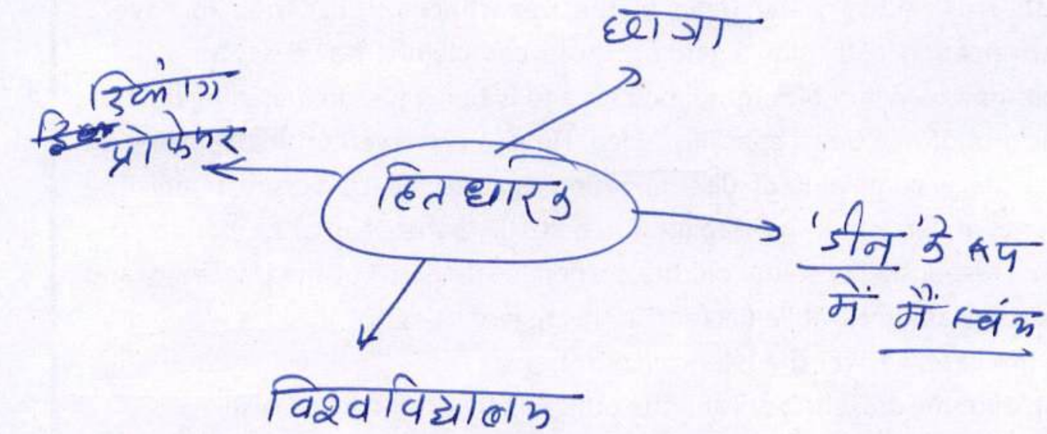

नैतिक मुद्दे :-

i) प्रोफेसर द्वारा शैक्षणिक कर्तव्यों का ईमानदारी से निर्वहन नहीं करना।

ii) प्रोफेसर का दिव्यांग होना तथा दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम 2016 के तहत शिकायत करने की धमकी।

iii) दिव्यांग प्रोफेसर को संस्था में भेदभाव महसूस होना।

iv) छात्रों का भविष्य तथा शिक्षा

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

(b) उपलब्ध विकल्प

i) मामले में चुप रहना तथा कोई कार्यवाही नहीं करना।

ii) दलित प्रोफेसर के खिलाफ कार्यवाही करना।

iii) दलित प्रोफेसर तथा छात्रों से मिलकर मामले की तह तक जाना तथा दोनों की समस्याओं जानना एवं उसके अनुसार निर्णय लेना।

(c) विकल्प (i)

गुण

मामला को उलझाने से मुक्ति

दोष

i) छात्रों तथा प्रोफेसर की समस्याएं ज्यों की त्यों बनी रहेंगी।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

(ख) विकल्प (ii)

गुण
→ छात्रों को न्याय मिलेगा

दोष
→ मामला अनसुलझा रहेगा
→ प्रोफेसर की समस्या का समाधान नहीं
→ दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम, 2016 के तहत प्रोफेसर मेरे खिलाफ कार्यवाही करवा सकता है।

विकल्प (iii)

गुण
→ मामले का समाधान
→ सभी पक्षों को महत्व
→ शिक्षा की समस्याओं का समाधान

दोष
इसमें कोई दोष नहीं है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

उपर्युक्त प्रकरण में मैं तीसरे विकल्प को चुनूँगी क्योंकि यह समस्या की तह तक जाकर समाधान उपलब्ध करवाने की बात कहता है जिससे लोगों एवं प्रोफेसर दोनों की समस्याओं का समाधान होगा तथा विद्यालय में उचित माहौल का निर्माण होगा।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

12. You have recently been posted as the District Magistrate of a poor district in India where there is a high prevalence of manual scavenging. It has been brought to your notice that manual scavenging has claimed many lives in your district. Upon further enquiry, you found that most of the manual scavengers belong to a particular caste, and majority of them can find employment only by way of scavenging. Even some government departments in your district are employing these people for physical cleaning of sewers/septic tanks without basic safety gear and measures. Despite the rehabilitation programmes for manual scavengers, the administration has been found inefficient in identifying such people in the first place and the efforts to reskill them for employment elsewhere have not yielded desired results.

Based on the given information, answer the following:

(a) Identify the issues associated with manual scavenging.

(b) List the options available to you in the given case. Evaluate the merits and demerits of each.

(c) Discuss some feasible steps that you can take to address this serious problem. **(20)**

आपको हाल ही में भारत के एक गरीब जिले के जिला मजिस्ट्रेट के रूप में नियुक्त किया गया है जहां हाथ से मैला ढोने (मैनुअल स्कैवेंजिंग) का प्रचलन बहुत अधिक है। आपके संज्ञान में लाया गया है कि आपके जिले में मैला ढोने की प्रथा ने कई लोगों की जान ले ली है। आगे जांच करने पर, आपने पाया कि हाथ से मैला उठाने वाले अधिकांश लोग एक विशेष जाति के ही हैं और उनमें से अधिकांश केवल मैला ढोकर ही रोजगार प्राप्त कर सकते हैं। आपके जिले के कुछ सरकारी विभाग भी बिना बुनियादी सुरक्षा उपकरणों और उपायों के सीवरों/सेप्टिक टैंकों की भौतिक सफाई के लिए इन लोगों को नियुक्त कर रहे हैं। हाथ से मैला उठाने वालों के लिए पुनर्वास कार्यक्रमों के बावजूद, सर्वप्रथम प्रशासन ऐसे लोगों की पहचान करने में अक्षम रहा है और अन्यत्र रोजगार के लिए उन्हें फिर से कौशल प्रदान करने के प्रयासों के वांछित परिणाम भी नहीं मिले हैं।

ऊपर दी गयी जानकारी के आधार पर, निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

(a) हाथ से मैला ढोने (मैनुअल स्कैवेंजिंग) से जुड़े मुद्दों की पहचान कीजिए।

(b) प्रस्तुत प्रकरण में आपके समक्ष उपलब्ध विकल्पों को सूचीबद्ध कीजिए। प्रत्येक के गुणों और दोषों का मूल्यांकन कीजिए।

(c) इस गंभीर समस्या के समाधान के लिए आप जो संभव कदम उठा सकते हैं, उन पर चर्चा कीजिए।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

हाथ से मैला ढोने के कारण मजदूरों की मौत तथा उनके परिवार की आजीविका का समाप्त होना एवं उनका पुनर्वास नही होने से उनके परिवारों को समस्याओं का सामना करना पड़ता है। सरकार द्वारा हाथ से मैला ढोने की प्रथा को समाप्त करने हेतु प्रयास किये जा रहे हैं।

(a) मुद्दे

i) मजदूरों के पास सुरक्षा उपकरणों का नही होना।

ii) सीवर टैंक की सफाई के दौरान मृत्यु

iii) मैला ढोने वाले कामिकों का एक वंचित वर्ग विशेष से होना।

iv) मैला ढोने वाले लोगों को वैकल्पिक रोजगारों का अभाव।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

v) पुनर्वास में समस्या।

vi) अपर्याप्त मजदूरी जिससे घर का खर्च उठाना मुश्किल।

(6) उपलब्ध विकल्प

i) मामले में ~~कुछ~~ कोई कार्यवाही नही करना।

गुण
- जिम्मेदारियों से मुक्त होना

दोष
- ~~बे~~ हाथ से मैला ढोने वाले परिवारों ~~को~~ को न्याय नही मिलना
- इनके शोषण में वृद्धि।

(ii) मैला ढोने वाले मामलों ~~में~~ अपराधियों खिलाफ सख्त कार्यवाही करना।

गुण
- मैला ढोने वाले व्यक्तियों के अधिकारों का संरक्षण।

दोष
- रोजगार छूटना,
- आजीविका संकट
- परिवार का पालन नही कर पाना

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(iii) मैला ढोने वाले लोगों की पहचान करना तथा Dirty वर्क के लिए रोबोट के प्रयोग को बढ़ावा देना। विभागों में मैला उठानेवाले मजदूरों का पुनर्वास तथा कौशल विकास एवं अन्य क्षेत्रों में रोजगार के साथ सामाजिक सुरक्षा प्रदान करना।

गुण
- अधिकारों की सुरक्षा
- पीड़ितों का पुनर्वास
- रोजगार सुरक्षा

दोष
- वैकल्पिक क्षेत्रों में कौशल प्रदान करने के वांछित परिणाम नहीं

(C) समाधान

i) सरकार द्वारा बनाए गए अधिनियम का पालन करना। [हाथ मैला उठाना प्रतिषेध अधिनियम, 2014]

ii) मैला उठाने में वंचित वर्ग विशेष के व्यक्ति शामिल है जिन्हें अन्य कहीं रोजगार नहीं मिल रहा उन्हें

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

कौशल प्रदान करना।

iii) स्वरोजगार को बढ़ावा तथा वित्त उपलब्ध कराना।
- Stand up India
- Startup India
- मुद्रा योजना।

iv) समाज में व्याप्त भेदभावों के खिलाफ कठोर क्रियान्वयन (Article-17)

v) सीवर की सफाई हेतु रोबोट्स का उपयोग करना।

vi) हाथ से मैला ढोने वाले वर्ग में शिक्षा को प्रोत्साहन तथा बच्चों को छात्रवृत्ति

vii) NGOs तथा SHGs की मदद से रोजगारों का सृजन।

~~viii)~~

उपर्युक्त मामलों के समाधान हेतु सरकार को सक्रिय स्तर पर कार्यवाही करनी पड़ेगी।